कोविड जांच केंद्र पर घंटों-घंटों करवा रहे इंतजार

जिला सामान्य अस्पताल का कारनामा, गश खाकर गिर रहे थे कतारबद्ध संदिग्ध

प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती- जिला सामान्य अस्पताल के कोविड जांच केंद्र है. जहां हर दिन सैकड़ों की तादाद में कोविड जांच के लिए नागरिक आ रहे हैं, जिसमें छोटे बच्चों का भी समावेश है. लेकिन स्थानीय कर्मचारियों की लापरवाही के कारण जांच करवाने आ रहे संदिग्ध मरीजों को घंटों कतारबद्ध होकर अपनी बारी आने का इंतजार करना पड़ रहा है. शुक्रवार को आलम यह था कि घंटों खड़े रहने के कारण कुछ लोग बाहर गश खाकर गिर रहे थे, लेकिन उनकी सुद लेने वाला भी कोई नहीं था.

लोगों को सुविधा के लिए प्रशासन ने शहर में 7 स्थानों पर कोविड जांच सेंटर शुरु किये हैं, जिसमें जिला सामान्य अस्पताल के जांच सेंटर का भी समावेश है. इस सेंटर पर तैनात डॉक्टर, नर्स व अन्य स्टाफ केंद्र के बाहर कतारबद्ध संदिग्ध नागरिकों की कोरोना जांच करवाने की बजाय दिनभर कार्यालय के दरवाजे बंद कर गप्पे लड़ाना, जैसे-तैसे समय बिताना, बस यही काम करते हैं. जिसके कारण जांच के लिए सुबह 10 बजे कतारबद्ध होने वाली व्यक्ति को कोरोना जांच करवाने कम से कम तीन घंटे इंतजार करना पड़ रहा है. शुक्रवार को भी इस सेंटर पर दोपहर 12.30 बजे से कतार में खड़े लोगों की 3 बजे तक भी कोरोना जांच नहीं की गई थी. इनमें न केवल युवा बल्कि कुछ बुजुर्ग और बच्चों का भी समावेश था. बुजुर्ग और बच्चे खड़े रहकर थक चुके थे, तो उन्होंने पास की सीढ़ियों पर अपना बसेरा बना लिया था. वहां बैठकर अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे.

3 दिन में मिल रही रिपोर्ट

बता दें कि शहर में फिलहाल कोविड जांच करने वालों की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है. लैब पर भी जांच रिपोर्ट तैयार करने का बोझ बढ़ने से कोरोना पॉजिटिव मरीज को रिपोर्ट देरी से प्राप्त हो रही है. रिपोर्ट मिलने में देरी यानि और लोग कोरोना संक्रमित होना, यही समीकरण बनता जा रहा है. पॉजिटिव मरीजों को रिपोर्ट देरी से मिलने के कारण उनके संपर्क में आए लोग भी कोरोना पॉजिटिव हो सकते हैं. इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता. जिसके प्रशासन का नियोजन धरा का धरा रह रहा है और मरीजों की संख्या कम नहीं बल्कि और बढ़ रही है.

मीडिया के आते ही सक्रिय हुआ स्टाफ

यहां की प्रमुख डॉ. अग्रवाल ने बताया कि वे और उनका स्टाफ सुबह 9 बजे से कोरोना टेस्ट कर रहे हैं, कुछ समय के लिए विश्राम क्या लिया लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया. हम तो हमारा काम कर ही रहे हैं, यह कहते हुए मीडिया को देख सेंटर के कर्मचारियों ने फिर से टेस्टिंग का काम शुरू किया. मीडिया ने देखा कि एक व्यक्ति के कोरोना टेस्ट के लिए केवल 2 मिनट का समय लग रहा था. फिर भी लोग दोपहर 12.30 बजे से कतारबद्ध क्यों थे, यह बात समझ से परे है.

मीडिया को देख निजी कक्ष में छिपे सीएस

जिला सामान्य अस्पताल के कोविड जांच केंद्र पर लोगों को तपती धूप में घंटों खड़ा कर स्थानीय कर्मचारी कार्यालय में गप्पे लड़ा रहे थे. सुबह 11 बजे से कतार में खड़े लोगों की दोपहर 3 बजे तक भी टेस्टिंग नहीं हुई. इस संबंध में जिला शल्य चिकित्सक से पूछताछ करने के लिए उनके कक्ष में गए मीडिया प्रतिनिधियों को देखकर वे अपने निजी कक्ष में जा बैठे. मीडिया प्रतिनिधियों ने उन्हें दो मिनिट के लिए बाहर आने की विनती की तो वे न तो कक्ष से बाहर आए और ना ही मीडिया से बातचीत की. बस मुंह छिपाकर निजी कक्ष में दुबक कर बैठे रहे और अपने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते नजर आए.

सैनिटाइजर की कोई व्यवस्था नहीं

बता दें कि शहर व जिले को कोरोना से बचने का पाठ पढ़ाने वाले जिला सामान्य अस्पताल में ही नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है. यहां ना तो किसी भी वार्ड में सैनिटाइजर की व्यवस्था है और ना ही परिसर को नियमित रूप से स्वच्छ किया जा रहा है. यहां के एक कर्मचारी ने बताया कि सैनिटाइजर की मशीनें खराब हो चुकी हैं. इस कारण उन्हें हटाया गया है. लेकिन सैनिटाइजर के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीनें इलेक्ट्रिक पर नहीं चलती तो वह खराब कैसे हुईं. केवल यहीं नहीं जिला शल्य चिकित्सक के कक्ष के बाहर भी सैनिटाइजर की कोई व्यवस्था नहीं है. उनके कक्ष में बिना सैनिटाइज हुए कर्मचारी व मरीजों के परिजन प्रवेश कर रहे हैं.

गणेशदास राठी छात्रालय समिति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती- गणेशदास राठी छात्रालय समिति के लोकप्रिय सचिव स्व. नंदकिशोर कलंत्री का अकस्मात एवं दुखद निधन 21 फरवरी को रात 11 बजे हुआ. उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु गणेशदास राठी छात्रालय समिति की कार्यकारिणी की सभा शाम 5:30 बजे जूम मीटिंग पर समिति के अध्यक्ष वसंत मालपानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई. जिसमें समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे. जैसे कि उपाध्यक्ष जुगल किशोर गट्टानी, सहसचिव डॉ. गोविंद लाहोटी, कोषाध्यक्ष प्रकाश हेड़ा, हिसाब निरीक्षक धीरेंद्र अग्रवाल, सीनियर सदस्य रूपराम झंवर, ओमप्रकाश लढ्ढा, ओमप्रकाश नावंदर, श्यामसुंदर दमानी, अजय कुमार राठी, प्रदीप कुमार सिकची, डॉ. राजेश बूब, प्रद्युम्न मालपानी, विजय कुमार बंग, मंगला लाहोटी, हरीश राठी आदि सदस्य उपस्थित थे.

स्व. नंदकिशोर कलंत्री, मामा, एक बहुत हंसमुख, दूरदर्शी, सबको साथ लेकर चलने वाले, सकारात्मक सोच रखने वाले, बहुत सुलझे व्यक्तित्व थे. उनके साथ काम करते हुए कब 4 वर्ष पूरे हो गए पता ही नहीं चला. आज जो संस्था का अभूतपूर्व विकास हम लोग देख रहे हैं, इसमें उनका बहुत बड़ा योगदान था. उनके शरण होने से मेरा व्यक्तिगत एवं संस्था का जो अपूरणीय नुकसान हुआ है, वह कभी पूरा होना नामुमकिन है. ईश्वर के आगे किसी का जोर नहीं चलता.

हम सब प्रभु चरणों में प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें एवं उनके परिवार पर जो दुख आया है उसे सहने की उन्हें हिम्मत दें.

सभी ने अपनी-अपनी ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति ईश्वर प्रदान करे, ऐसी प्रार्थना की. अंत में 2 मिनट खड़े होकर मौन श्रद्धांजलि देकर, श्रद्धांजलि पत्र बनाकर उनके परिवार को भेजना तय किया.

सभी को व्यापार का अवसर मिलें

व्यापारी एकता मंच की जिलाधीश से मांग

प्रतिनिधि, 25 फरवरी

अमरावती - शहर में लॉकडाउन में कुछ चुनिंदा व्यापार क्षेत्र को छोड़कर सभी को व्यापार के लिए सीधे छूट दी गयी है. प्रशासन का लॉकडाउन के नाम पर शहर के व्यापारियों के साथ असमान न्याय यह तर्क संगत नहीं है. प्रशासन को इस ओर ध्यान देकर शहर के पूरे व्यापार क्षेत्र को खोलने की अनुमति दी जाएं. ऐसी मांग व्यापारी एकता मंच ने जिलाधीश से की. जिलाधीश शैलेश नवाल को ज्ञापन सौंपते हुए एकता मंच ने कहा कि शहर में चुनिंदा व्यापार क्षेत्र बंद है. लॉकडाउन की घोषणा के साथ होटलों को पार्सल सुविधा दी गयी है. शहर के बाहरी एमआयडीसी में उद्योग शुरू है. एसटी बस, रेलवे, बैंक, सरकारी कार्यालय नियमित रूप से शुरू है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक, मोबाईल, कपड़ा, हार्डवेयर जैसे दुकानें शुरू करने की अनुमति दें और व्यापारियों को राहत दें. ऐसी मांग उन्होंने की. ज्ञापन सौंपते समय बादल कुलकर्णी, विजया अछडा, योगेश रतानी, दीपक पारवानी, अनिल पमनानी,सुनील धामेचा, शुभम चव्हाण, कमलेश तरडेजा, योगेश रतनानी आदि उपस्थित थे.

आईएमए सदस्यों ने सीएस को भेजा पत्र

सोशल मीडिया पर लैब के खिलाफ अफवाहें

अमरावती - शहर में जिला शल्य चिकित्सक ने 11 पैथालॉजी लैब के एंटीजन टेस्ट सेंटर को रद्द किया है. ऐसा पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस पत्र का कुछ लोग झूठे इंश्योरेंस क्लेम से जोड़कर अफवाहें फैला रहे है. ऐसे लोगों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा उचित कार्रवाई करने की मांग आईएमए के सदस्यों ने की. जिला शल्य चिकित्सक डा.श्यामसुंदर निकम को आईएमए सदस्य डा.सुवर्णा कुऱ्हाडे, डा.तृप्ति दानखेडे, डा.प्रकाश कोठारी ने पत्र सौंपा हैं. इस पत्र के अनुसार प्रशासन ने जिन पैथालॉजी लैब की सूची जारी की है. उसे झूठे बीमा मामले से जोड़ा जा रहा है. इस सूची में कुल 11 पैथालॉजी लैब का समावेश है और उन्हें सीएस ने रद्द किया है. क्योंकि इस लैब द्वारा लोगों को झूठा कोरोना पाजिटिव प्रमाणपत्र दिया जा रहा है. इस कारण इन लैब की अनुमति रद्द की गयी. इस तरह से इस मामले को सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है. प्रशासन द्वारा ऐसी अफवाहें फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें. क्योंकि इससे वैद्यकीय व्यवसायियों की बदनामी हो रही है.

किसान समर्थन में सरकारी कर्मियों का विरोध दिवस

जिलाधीश के माध्यम से सीएम को भेजा पत्र

प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती - देश में किसान विरोधी 3 काले कृषि कानून के खिलाफ स्वयं किसान कई दिनों से दिल्ली की सीमा पर आंदोलन कर रहे है. किसानों के समर्थन में कई संगठन आगे आ रहे है. जिसमें सरकारी कर्मचारी और जिला परिषद के शिक्षकों का भी समावेश है. चरणबद्ध पद्धति से सरकारी कर्मचारी व शिक्षकों ने किसान समर्थन में आंदोलनों की घोषणा की थी. शुक्रवार को कर्मचारियों ने फिर एक बार जिलाधीश कार्यालय के सामने नारेबाजी कर सरकार का निषेध व्यक्त किया. इस दिन को राष्ट्रीय विरोध दिवस के रूप में मनाया गया.

इस समय जिलाधीश के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम राज्य सरकारी कर्मचारी मध्यवर्ती संगठन के डीएसपवार, नामदेव गडलिंग, जीपीतराल व सचिन गायकवाड ने पत्र सौंपा. जिसमें संगठन ने कहा कि पुराने पेंशन योजना लागू करें, श्रमिकों के लिए जारी नए कानून रद्द करें, समयपूर्व सेवानिवृत्त की शर्त को रद्द करें, शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की समस्याओं को सुलझाने हेतु बैठक का आयोजन करें, वेतन श्रेणी को लेकर बक्षी समिति की दूसरी रिपोर्ट तत्काल घोषित करें, महंगाई को कम कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सक्षम बनाए, बेरोजगारों को हर माह 7500 रुपए रोजगार भत्ता देकर उन्हें 10 किलो अनाज वितरित करें जैसी कुल 12 मांगें राज्य सरकार के सामने रखी है.

39 साल की सरकारी सेवा से निवृत्त हुए गणेश कुत्तरमारे

डैशिंग और डेयरिंग का मिला था खिताब

6 साल तक संभाला अतिक्रमण विभाग की जिम्मेदारी

प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती - शहर में अपने डेयरिंग और डैशिंग व्यक्तित्व से पहचान बनाने वाले अतिक्रमण विभाग के प्रभारी व ससंनर विभाग के सहायक आरेखक गणेश कुत्तरमारे शासन उम्र अनुसार सेवानिवृत्त हो रहे है. रविवार 28 फरवरी उनकी 39 साल की सरकारी सेवा का आखिरी दिन होगा.

मनपा के हमेशा ही चर्चा में रहे अधिकारी गणेश कुत्तरमारे ने 8 अप्रैल 1983 को मनपा में कनिष्ठ लिपिक के रूप में अपनी सेवा प्रारंभ की थी. इसी वर्ष 9 नवंबर को उन्हें ससंनर विभाग के आरेखक पद पर नियुक्ति दी गयी. 1 फरवरी 1991 में उन्हें पदोन्नति देकर जगह निरीक्षक व सहायक आरेखक के पद की जिम्मेदारी सौंपी है. साल 2001 में सहायक आरेखक पद के साथ गणेश कुत्तरमारे को अतिक्रमण दस्ते में शामिल किया. उस समय शहर के अतिक्रमण पर हथौड़ा चलाने ससंनर के प्रमोद कुलकर्णी के मार्गदर्शन में जो दल तैयार किया था उसमें गणेश कुत्तरमारे को ही स्थान दिया गया. अपनी रोकठोक भूमिका के चलते गणेश कुत्तरमारे हमेशा ही चर्चा में रहे है. शहर के कई लोगों के मकान, दुकान और बड़े-बड़े प्रतिष्ठानों का अतिक्रमण हटाते हुए उन्हें लोगों की नाराजगी को भी झेलना पड़ा, लेकिन उनका काम कभी भी नहीं रुका, बल्कि वे और दोगुने उत्साह से इस काम को अंजाम देते रहे. जिसके कारण कई बार उन्हें पुलिस थाने की सीढ़ियां भी चढ़ना पड़ी. कई बार उनके काम को लेकर आरोप-प्रत्यारोप भी हुए पर उन्होंने अपना काम नहीं रोका और निरंतर आगे बढ़ते रहे. उनकी यही नीति लोगों को खूब भायी और मनपा के छोटे से कनिष्ठ लिपिक के रूप में सेवारत हुए गणेश कुत्तरमारे का नाम शहर के बच्चे-बच्चे के जुबान पर पहुंच चुका है. उनकी इसी निष्ठा को देखते हुए मनपा प्रशासन ने साल 2015 के 1 मई को उन्हें अतिक्रमण दस्ते का प्रभारी प्रमुख के रूप में नियुक्त किया. तब से लेकर आज तक उनके दबंग व्यक्तित्व का खौफ अतिक्रमण धारकों में बरकरार है. ऐसे डैशिंग और डेयरिंग अधिकारी गणेश कुत्तरमारे शासन नियमानुसार 28 फरवरी को अपने 39 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे है. शुक्रवार को उनके मुख्य आस्थापना कार्यालय सहायक संचालक नगर रचना विभाग में उन्हें सेवानिवृत्ति निमित्य बिदाई दी. इस समय विभाग के अधीक्षक आशीष उईके ने उनका शाल, श्रीफल और स्मृतिचिन्ह देकर सत्कार किया. इस समय अभियंता अविनाश रघटाटे, हेमंत महाजन, नितिन भटकर, मनीष हिरोडे, प्रमोद कुलकर्णी, प्रीतम रामटेके, शिवाजी देशमुख, पंकज आकोडे, संजय दार्वेकर आदि उपस्थित थे.

मनीष हिरोडे को सौंप सकते है जिम्मेदारी

गणेश कुत्तरमारे की सेवानिवृत्ति पश्चात अब अतिक्रमण विभाग की जिम्मेदारी प्रभारी के रूप में इसी विभाग में कार्यरत सहायक निरीक्षक मनीष हिरोडे को सौंपी जा सकती है. बता दें कि वे भी ससंनर विभाग के आरेखक होने के साथ अतिक्रमण विभाग के पदाधिकारी सहायक निरीक्षक का भी काम संभाल रहे है.

महापौर ने साईंनगर के प्रतिबंधित क्षेत्रों का किया मुआयना

नागरिकों से बातचीत कर उन्हे नियमों का पालन करने को कहा

प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती- महापौर चेतन गावंडे ने शुक्रवार को प्रतिबंधित क्षेत्र व सांईमंदिर परिसर, सांई नगर, अकोली चौक आदि परिसरों में मुआयना कर नागरिकों से बातचीत कर इस दौरान उन्होने नागरिकों से नियमों का पालन करने को कहा व पूछा की उन्हे और कोई असुविधा तो नहीं हो रही? जो मरीज है उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखें व अन्यो को उनका संक्रमण नहीं होना चाहिए इसकी सावधानी बरते, प्रशासन द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का जस का तस पालन करे. लक्षण नहीं रहने वाले व होम क्वारंटाइन में रहने वाले लोगों द्वारा कई बार नियमों का पालन नहीं किया जाता, ऐसे लोगों से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए. इन लोगों से संबंधित यंत्रणा ने नियमित संपर्क रखे. उनके घर पर मोटे अक्षरों में फलक लगाकर परिवार के सभी सदस्यों की तुरंत कोरोना परीक्षण कराएं. होमक्वारंटाइन का नियम का पालन नहीं करने वालों से बॉन्ड पेपर लिखकर दे. उल्लंघन करते हुए दूसरी बार पाए जाने पर उनसे 25 हजार रूपए का जुर्माना वसूल किया जाने वाला है. साथ ही संबधित के संपत्ति कर में जुर्माना नोट किया जाएगा व वसूल किया जाएगा. उसका कड़ाई से पालन नहीं होने पर अथवा संबंधितों द्वारा इसके लिए इंकार करने पर उन्हे कोविड सेंटर में भर्ती किया जाए.

घर-घर पहुंचकर सर्वे कर कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग पर जोर दें, इस परिसर में कोरोना परीक्षण शिविर का आयोजन करें व नागरिकों को उस संदर्भ की जानकारी दे, ऐसा भी उन्होने बताया. सांई नगर, सांई मंदिर , अकोली चौक परिसर में महापौर ने नागरिकों से बातचीत कर उन्हे त्रिसूत्री का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए. मास्क लगाना अनिवार्य है, खुद मास्क लगाएं व अन्यों को भी मास्क लगाने के लिए प्रवृत्त करें. मास्क लगाना, बार-बार हाथ धोना व सामाजिक दूरियां बनाए रखना यह तीन बातें कोरोना को रोकने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है, प्रत्येक को इसे अपनाना चाहिए. इस समय महापौर ने सांई नगर परिसर के दुकानदारों व हॉकर्स को भी कोरोना परीक्षण कराने की बात कही. व हॉकर्स से कहा कि उन्होने एक दूसरे के नजदीक-नजदीक गाड़ियां ना लगाए.

आशा वर्कर ने घर-घर पहुंचकर जिन लोगों में बुखार, सर्दी, खांसी आदि लक्षण दिखाई दे रहे है उन्हे कोरोना का परीक्षण कराने को कहे व उसके लिए लगातार प्रयास जारी रखे. इस दौरान महापौर के साथ सहायक आयुक्त भाग्यश्री बोरेकर, आरोग्य अधिकारी डॉ. विशाल काळे, वैद्यकीय अधिकारी (स्वच्छता)डॉ. सिमा नेताम, डॉ. शारदा टेकाडे, अभियंता विवेक देशमुख, अंकीत रोंघे, जेष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक राजु ढिक्याव, स्वास्थ्य निरीक्षक सोपान माहुलकर, प्रसाद कुळकर्णी उपस्थित थे.

महापौर ने कोरोना संक्रमण प्रतिबंधक उपाय योजना की समीक्षा की

शहर में 6 कोरेना परीक्षण सेंटर, 2 मोबाइल टीम द्वारा रोजाना 2 हजार टेस्टिंग

अमरावती- कोरेना वायरस संक्रमण रोकने उपाययोजना के तहत यंत्रणा की समीक्षा महापौर चेतन गावंडे ने शुक्रवार को महापौर कार्यालय में आयोजित बैठक में की. इस बैठक में उपायुक्त सुरेश पाटील, वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. विशाल काळे, वैद्यकीय अधिकारी (स्वच्छता) डॉ. सिमा नैताम, सहायक आयुक्त भाग्यश्री बोरेकर, तौसिफ काझी, शहर अभियंता सुहास चव्हाण, शिक्षणाधिकारी अब्दुल राजीक, पशुशल्य चिकित्सक डॉ. सचिन बोंद्रे, अग्निशमन अधीक्षक अजय पंधरे, उपअभियंता उपस्थित थे. बैठक में डॉ. विशाल काळे ने बताया कि अमरावती शहर में 6 कोरेना परीक्षण सेंटर शुरु है, 2 मोबाइल टीम भी शुरु की गई है. उपलब्ध तकनीकी मनुष्यबल के अनुपात में उपरोक्त सेंटर शुरु किए गए है, ज्यादा से ज्यादा लोगों का परीक्षण किया जा रहा है. वर्तमान स्थिति में अमरावती शहर में रोजाना 2 हजार परीक्षण किए जा रहे है.जिन परिसरों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, ऐसे परिसरों में मोबाइल परीक्षण सेंटर की टीम को भेजा गया है. शहर के सभी हिस्सों में कोरेना के मरीज मिल रहे है, ऐसी जानकारी भी इस समय उन्होने दी.

होमक्वारंटाइन की समीक्षा भी इस समय महापौर ने की. मरीजों द्वारा नियमों का पालन करने पर ही उन्हे होमक्वारंटाइन की छूट दे वर्ना क्वारंटाइन कक्ष में भेजने के निर्देश उन्होने दिए. ज्यादा से ज्यादा संख्या में मरीजों का कोरेना परीक्षण कराकर उनके संपर्क में आए हुए सभी लोगों को परीक्षण कराने के संदर्भ में जानकारी दे. जिस इलाके में मरीज बढ़ रहे है ऐसे इलाकों मे कोरेना परीक्षण शिविर का आयोजन करें. जिनके पास मास्क नही उन्हे मास्क का वितरण करें.

सुपर स्प्रेडर रहने वाले प्रत्येक का कोरेना परीक्षण होना ही चाहिए, इसके लिए स्पष्ट निर्देश दे. कोरेना संदर्भ में जोन के माध्यम से की गई उपाययोजनाओं की समीक्षा इस समय महापौर ने की. जोन के माध्यम से नियमभंग करने वाले नागरिकों के खिलाफ जुर्माना की कार्यवाही की गति बढ़ाने के निर्देश महापौर ने बैठक में दिए. मरीजों को वैद्यकीय सेवा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग उस पद्धति का नियोजन करें. मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर नए अस्पतालों को तुरंत इजाजत दी जाए.